जीविका
JEEVIKA
JEEViKA
An Initiative of Government of Bihar for Poverty Alleviation
Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar
बिहार सरकार
1st Floor, Vidyut Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph.:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlp.in

Ref. No: BRLPS/Estt-HR/1645/19/594 Date: 08.05.2023

कार्यालय आदेश

तत्कालीन जिला परियोजना प्रबंधक – पूर्णियां के मेल दिनांक – 09.10.2020 के अनुसार गोट इंटरवेंशन पूर्णियां के दो प्रखंडो में शुरू की जानी थी। राज्य कार्यालय आदेश संख्या – .BRLPS/ Project/463/13/1042 दिनांक – 31.05.2017 के अनुसार गोट इंटरवेंशन को कियान्वित किया जाना था जिसके तहत पी0जी0 सदस्यों द्वारा हीं एक विशेष नस्ल की बकरियों की खरीददारी की जानी थी। तदनुसार गोट इंटरवेन्शन की प्रकिया शुरू हुई। बकरियों के सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरूआ, पूर्णियां ने गोट इंटरवेन्शन की प्रक्रिया का पूर्ण उल्लंधन करते हुए सभी 16 प्रोडयूसर ग्रुप में बकरियों की आपूर्ति एक लोकल वेन्डर के द्वारा कारवाई तथा उसे अनैतिक वित्तीय लाभ पहुंचाया। **(अनुलग्नक – 1)**

इस संबंध में दिनांक – 03.10.2020 को एक जिला स्तरीय जॉच समिति का गठन किया गया। जॉचोपरांत समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची कि श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरूआ, पूर्णियां, एम0बी0के0 अरूण मिश्रा, वी0आर0पी0 दिलीप कुमार पी0जी0 सदस्यों को बकरी आपूर्ति की अवैध प्रक्रिया में शामिल हैं। **(अनुलग्नक – 2)**

तदोपरांत इस मामले की गहन जॉच हेतु एक राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया। जॉचोपरांत समिति ने अपना प्रतिवेदन प्रेषित किया जिसके अनुसार श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक गोट इंटरवेन्शन के नियमों का पूर्ण रूपेन उल्लंघन कर बकरियों की आपूर्ति एक लोकल वेंडर द्वारा दीदीयों को करवाया जबकि नियमानुसार बकरियों की खरीददारी स्वयं दीदीयों को ही करनी थी। कार्यालय आदेश सं0 BRLPS/Project/463/13.Vol-II/4764 दिनांक .05.03.2018 के अनुसार **"सप्लायर के द्वारा अलग अलग क्षेत्रों से बकरियों को एकत्रित कर प्रोडयूसर ग्रुप को आपूर्ति कराए जाने के कारण पहले से हीं बकरियॉ रोगग्रस्त पाई जाती हैं जिसके कारण इनकी मृत्यू दर ज्यादा होती है। इसलिए यह निर्णय लिया जाता है कि प्रोडयूसर ग्रुप के सदस्यों को निर्दिष्ट बकरियों की खरीद के लिए सहयोग किया जाएगा और प्रति बकरी रूपये 4000/– लाभुक के बैंक खाते में हस्तांतरण किया जाएगा।"** परंतु इस मामले में श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक के प्रोत्साहन, मिलीभगत, सहभागिता एवं षडयंत्र के कारण 37 स्वयं सहायता समूहों से 39,35,000/– रूपये बैंक लिंकेज तथा सामान्य ऋण की राशि को बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के माध्यम से निकलवा कर सीधे वेंडर श्री हीरालाल मंडल को बकरी आपूर्ति के लिए पहले ही दे दिया गया। इस प्रकार परियोजना के नियमों के विरूद्ध वेंडर को निजी लाभ पहुंचाया गया जिससे परियोजना एवं कम्यूनिटी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। **(अनुलग्नक – 3)**

राज्य स्तरीय प्रतिवेदन के अनुसार, जिला परियोजना प्रबंधक, पूर्णियां ने श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक के पूर्ववृत से अच्छी तरह परिचित होने के बावजूद गोट इंटरवेन्शन के तीसरे चरण में डगरूआ प्रखंड को अलग रखा किंतु चौथे चरण में 31 पी0जी0 गठन करवाने जैसे बड़े कार्यभार को देखते हुए 23 पी0जी0 का काम डगरूआ प्रखंड को सौपा दिया गया जिसमें उन्हें या तो पहले की तरह हीं सतर्क होना था या उन्हें इस स्थिति से निबटने हेतु ज्यादा से ज्यादा क्षेत्र भ्रमण कर इसका अनुश्रवण करना था।

उक्त प्रतिवेदन के आधार पर श्री सुनिर्मल ग्रेन, जिला परियोजना प्रबंधक को राज्य स्तर से एक कारण बताओ नोटिस (BRLPS/Estt-HR/1645/19/Vol-III/3316) दिनांक – 16.09.2022 प्रेषित किया गया। कारण बताओ नोटिस के आलोक में श्री सुनिर्मल ग्रेन, जिला परियोजना प्रबंधक ने जवाब में यह बताया कि बकरी खरीददारी में अनियमितता संज्ञान में आने पर उन्होनें तत्काल इसकी जानकारी राज्य परियोजना प्रबंधक – पशुधन को दी। जांच प्रकिया प्रभावित न हो इसके लिए श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरूआ को जिला कार्यालय प्रतिनियुक्ति किया गया।

श्री सुनिर्मल ग्रेन ने अपने जवाब में यह भी बताया कि संबंधित मैनेजर लाइवस्टॉक के द्वारा अन्य सभी बकरी उत्पादक समूहों में भ्रमण कर सभी योग्य जीविका दीदीयों को बकरी खरीदने हेतु समझाया गया तथा उनके द्वारा सही बकरी खरीदने के उपरांत सही लाभार्थी को राशि का भुगतान उत्पादक समूह के माध्यम से किया गया। **(अनुलग्नक – 4)**

उल्लेखनीय है कि श्री सुनिर्मल ग्रेन, जिला परियोजना प्रबंधक – पूर्णियां ने जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, पूर्णियां को दिनांक – 15.04.2021 तथा दिनांक – 19.06.2021 को यह प्रतिवेदन प्रेषित किया कि डगरूआ प्रखंड में बकरी पालन योजना के तहत किसी प्रकार की अनियमितता नहीं बरती गई है। **(अनुलग्नक – 5)**

उन्होनें गलत प्रतिवेदन दिया जो कि उनके कार्य के प्रति लापरवाही तथा कार्यालीय कार्यकलाप के तरीके से अनभिज्ञता को परिलक्षित करता है।

उपरोक्त तथ्यों से यह प्रकट होता है कि श्री सुनिर्मल ग्रेन, तत्कालीन जिला परियोजना प्रबंधक, पूर्णियां जिला के मुखिया होने के बावजूद अपने कर्तव्यों का निर्वहन सही तरीके से नहीं किया जिससे परियोजना एवं समुदाय को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा एवं परियोजना की छवि को भी नुकसान पहुंचा। अतः श्री सुनिर्मल ग्रेन, जिला परियोजना प्रबंधक, पूर्णियां को चेतावनी दी जाती है कि वे भविष्य में उपरोक्त कृत्यों की पुनरावृत्ति न करें ताकि परियोजना द्वारा निर्धारित मापदंडों को पूरा करते हुए लक्ष्यों की प्राप्ती की जाये अन्यथा परियोजना के नियमावली के अनुसार उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

(राहुल कुमार)
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी

श्री सुनिर्मल ग्रेन,
जिला परियोजना प्रबंधक (तत्कालीन जिला परियोजना प्रबंधक, पूर्णियां)
भागलपुर

प्रतिलिपि:

1. निदेशक / विशेष कार्य पदाधिकारी
2. समस्त परियोजना समन्वयक / मुख्य वित्त पदाधिकारी / प्रोक्योरमेंट स्पेशलिस्ट
3. समस्त राज्य परियोजना प्रबंधक/परियोजना प्रबंधक/राज्य वित्त प्रबंधक / सहायक वित्त प्रबंधक
4. समस्त एच0आर मैनेजर / समस्त वित्त प्रबंधक
5. संबंधित संचिकाएं

अनुलग्नक - 1

Niranjan Kumar <niranjan123livestock@gmail.com>

Fwd: Irregularities in Goat interventions

1 message

Rakesh Kumar Singh <spm.ls@brlps.in>
To: Niranjan Kumar <niranjan123livestock@gmail.com>
Cc: ajay kumar <dpm.ls@brlps.in>, Sumit Kapoor <pm.ls@brlps.in>

Fri, Oct 9, 2020 at 4:07 PM

---------- Forwarded message ---------
From: **Sunirmal Garain** <dpm_purnea@brlps.in>
Date: Fri, Oct 9, 2020 at 2:36 PM
Subject: Irregularities in Goat interventions
To: Kumar Anshumaly <director@brlps.in>
Cc: Rakesh Kumar Singh <spm.ls@brlps.in>, Rajesh Singh <vetrajeshsingh@gmail.com>

Respected Sir,

With due respect I would like inform you that Purnea Jeevika is implementing Goat Intervention in 2 Block of the District. We are implementing "Integrated Goat and Sheep Development Scheme" of Animal and Fish Resource Department, Govt. of Bihar.Regarding this intervention a office order is issued on 31.05.2017 officer order BRLPS/Project/463/13/1042. According to the above office order,PG should form , selected pg member procured three breedable goats, they are 6-8 month age group ,8-10 kg body weight and black Bengal breed of goat.

Manager-Livestock Purnea validated all goats during validation. During goat validation manager-livestock observed that BPM dagarua (Mr. Sumit Kumar) violence the officer order. Not a single goat purchased by the members in all 16 goat Pg .In all 16 PG goats supplied by the local vendors.In this activity BPM can be involved with some selected cadre like MBK,BK and CM.

DPCU Purnea was formed Five member committee on 3rd October 2020 with my Supervision ,Report of committee is pending till now.

Previously they were also involved in poultry intervention,procurement of mobile in goat PG.Vehicle hiring etc. Committee has formed in all above cited topics and a report of the committee has been sent to SMPU. In all enquiries the BPM Dagarua is the main culprit. In the presence of him the Goat interventions will not smoothly implemented .

This is for your kind information and needful action please so that Goat interventions will be implemented smoothly and we will be abled to submit UC to Dept. Of Animal Husbandry.

With Regards
Sunirmal Garain
DPM
DPCU Purnea
JEEViKA
BRLPS (SRLM Bihar)

---------- Forwarded message ---------
From: **Rajesh Singh** <vetrajeshsingh@gmail.com>
Date: Fri 9 Oct, 2020, 11:30 AM
Subject: Fwd: Reg. Tagging of goat
To: Sumit Kumar <sumitjeevika@gmail.com>
Cc: Sunirmal Garain <dpm_purnea@brlps.in>, Rakesh Kumar Singh <spm.ls@brlps.in> ajay kumar <dpm.ls@brlps.in>, Sumit Kapoor <pm.ls@brlps.in>, anamika sinha <anamikamadhu14@gmail.com>, Pranav Mali <pranavmali.niam15@gmail.com>, arvind pardhi <arvind92pardhi@gmail.com>, Sunny Kumar <078sunny78bd@gmail.com>, Niranjan Kumar <niranjan123livestock@gmail.com>, Kumar Saurabh <ks238709@gmail.com>

Dear Sumit Ji,
After completion of seven days, tagging of the left 510 goats is not completed till now. I follow up regularly regarding tagging of goats but you replied please give me two days time. I talked with you today morning and you told me goats have dead.If all goats are dead then send the report of goat mortality. After validation of goat how much goat has died in left 510 goats.SPMU team regularly asking about tagging of goats.Please send the above report upto 11th October 2020.

With regards,
Dr. Rajesh Kumar Singh
Manager-Livestock

---------- Forwarded message ---------
From: **Rajesh Singh** <vetrajeshsingh@gmail.com>

जाँच प्रतिवेदन

दिनांक 03-10-2020 को जिला स्तरीय जांच समिति गठित की गयी थी , जिसमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर जांच कर जांच प्रतिवेदन जिला कार्यालय को समर्पित करना था -

01. निम्नलिखित 16 बकरी उत्पादक समूह में उत्पादक समूह के सदस्यों द्वारा बकरी नही खरीद कर बकरी उपलब्ध कराया गया | उत्पादक समूह का नाम क्रमशः इस प्रकार है |
प्राची, माही, सवेरा, हायात, किरण, कन्या, आशा, गति, गायत्री, कमल, सरगम, रोज़, दर्पण, राही, साँची, आँचल |
02. Goat validation के दौरान उत्पादक समूह के सदस्यों द्वारा बकरी खरीदारी के बारे में बताया गया कि वह स्वयं बकरी खरीदी है, किन्तु उसके पति और ग्रामीण के द्वारा के बताया गया कि बकरी उपलब्ध कराया गया |
03. शत-प्रतिशत सदस्यों द्वारा यह बताया गया कि बकरी की खरीदारी स्वयं के द्वारा किया गया |
04. कुछ चुनिन्दा कैडर के द्वारा उर्युक्त वर्णित Goat PG में वित्तीय रूप से लाभान्वित होने हेतु संलिप्तता |

जिला स्तरीय समिति जो बनायी गयी उसमें निम्नलिखित सदस्यों को नामित किया गया |

- Mr. Virendra Kumar Das (M-CF)
- Dr. Rajesh Kumar Singh (M-LS)
- Mrs. Chanda Kumari (M- SD)
- Mr. Vikas Kumar (Proc. Manager)
- Mr. Niraj Prasad (M-HR)

उपर्युक्त जांच कार्य को सम्पादन के लिए समिति के द्वारा किरण, कमल, आँचल, प्राची, माही, रोज़ बकरी उत्पादक समूह में समिति के द्वारा भ्रमण किया गया एवं निम्नलिखित बातें उभरकर सामने आयी -

01. समिति के द्वारा सबसे पहले तघड़ा पंचायत के गौरा गांव में किरण PG के सदस्यों से बात की गयी | रामनी देवी, अनीता देवी, कुसुम देवी, प्रमिला देवी इन सभी सदस्यों से पूछने पर पता चला कि बकरी की खरीदारी स्वयं के द्वारा की गयी, किन्तु ग्रामीण (वीरेंद्र राय) के द्वारा सामूहिक रूप से बताया गया कि सभी सदस्यों को 3-3 बकरियां उपलब्ध करायी गयी एवं समझाया गया कि किसी के द्वारा पूछने पर यह बतलाना है कि स्वयं के द्वारा बकरी खरीदारी की गयी |

02. समिति के द्वारा पुनः कमल Goat PG में भ्रमण किया गया एवं सदस्यों से पूछ-ताछ के क्रम में यह पता चला कि बकरी की खरीदारी स्वयं के द्वारा की गयी, परन्तु वार्ड मेम्बर के द्वारा बताया गया कि बकरी का सप्लाई किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा की गयी है , और एक सदस्य को 3 बकरी उपलब्ध कराने के एवज में उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति को 9300 रुपया की दर से राशि देनी पड़ेगी |

03. समिति के द्वारा आँचल Gaot PG का भ्रमण किया गया जो तेलिनिया रहिका ग्राम (पंचायत – रामपुर) में अवस्थित है | इसी जांच के क्रम में दुखनी देवी (SHG-महादेव) से बातचीत के दौरान ये बात सामने आयी कि इस टोला में बहुत से दीदी को बकरी दिलीप ऋषि (VRP) के द्वारा दिया गया | बकरी शाम के समय में गाड़ी से लाकर दीदियों को उपलब्ध कराया गया | कुछ दीदी के द्वारा बातों ही बातों में बताया गया कि " दिलीप के द्वारा बोला गया कि सर के आदेश पर बकरी उपलब्ध कराया जा रहा है" |

बातचीत के दौरान यह भी पता चला कि CSP से अंगूठा लगवाकर बकरी वाला पैसा निकाल लिया जाता है एवं इस निकासी की Goat PG सदस्यों को भनक तक नहीं चल पाता है | यह एक सोची समझी साजिश भी हो सकती है |

04. इसके बाद समिति द्वारा ग्राम कोचैली (पंचायत- रामपुर) के वार्ड न. 07 में प्राची एवं माही Goat PG के सदस्यो से बातचीत की गयी | वहां पर प्राची PG के सदस्य एवं CM कल्पना कुमारी, उमा देवी, उपस्थित ग्रामीण एवं PG के सदस्यों से बातचीत की गयी एवं उनके द्वारा बताया

गया कि "CM रूबी देवी के घर पर शाम के समय गाड़ी पर बकरी लाया गया था और हमलोगों को कहा गया कि अपने पसन्द से 3-3 बकरी ले लीजिये, तो हमलोगों ने 3-3 बकरी लेकर आ गये" |

05. उपस्थित ग्रामीणों यथा कृष्ण लाल विश्वास , दिनेश कुमार विश्वास, वीरेन्द्र यादव से बातचित के दौरान यह पता चला कि यहाँ बकरी उपलब्ध कराया गया और 12000 रुपया के लिए सभी लोगों का FINO बैंक के CSP में खाता खोला गया ताकि बायोमेट्रिक के जरिये सभी PG सदस्य के खाते से रुपया की निकासी असानी तरीके से की जा सके |

06. सभी सम्बधित CC से बातचीत की गयी एवं लिखित रूप से बयान लिया गया जिसमें फेकनी CC के द्वारा यह बताया गया कि "मेरे चारों Goat PG में सदस्य स्वयं बकरी खरीदी" | जबकि वहां ग्रामीणों / दीदी के पति द्वारा बताया गया कि बकरी उपलब्ध कराया गया |

CC रंजना के द्वारा भी बताया गया कि "मेरे 8 Goat PG में सभी दीदियों के द्वारा बकरी की खरीदारी की गयी" |

CC रंजना के द्वारा यह भी बताया गया कि "कुछ दीदी को बकरी उपलब्ध कराया गया होगा, लेकिन इसकी जानकारी मुझे नहीं है" |

लेकिन जाँचोपरांत पाया गया कि प्राची एवं माही Goat PG में बकरी उपलब्ध करवाया गया |

CC निशि के द्वारा यह बताया गया कि "मैंने अपने नो Goat PG में सभी दीदियों को उन्मुखीकरण किया था कि "दीदी आपलोग स्वयं 3-3 बकरी खरीदें और इसके बदलें आपके खाते में परियोजना के द्वारा 12000 रुपया दिया जायेगा, लेकिन मेरे चार Goat PG (दर्पण, कन्या, गाही, साँची) में अरुण मिश्रा (MBK- प्रकाश CLF) एवं BPM सुमित कुमार का गलत तरीके से Involment होने के कारण वहां बकरी उपलब्ध कराया गया साथ ही दीदियों के बीच यह भी सूचना फैलाया गया कि CC का कोई रोल Goat PG में नहीं है जो कुछ है वह MBK एवं BPM सर है" |

कुमार सौरभ (YP Livestock) के द्वारा भी बताया गया कि सभी 16 Goat PG में मात्र कुछ दीदी (20 %) के द्वारा स्वयं बकरी की खरीदारी

की गयी एवं 80 % दीदी को किसी के इशारे पर CM, BK, MBK के माध्यम से बकरी उपलब्ध कराया गया।

निष्कर्ष:-

समिति के द्वारा जाँचोपरांत यह पाया गया कि CC फेकनी एवं CC रंजना का गलत तरीके से बकरी की उपलब्धता में आंशिक रूप से शामिल होना प्रतीत होता है एवं BPM सुमित कुमार, MBK अरुण मिश्रा, VRP दिलीप कुमार का पूर्ण रूप से बकरी को उपलब्ध कराने में शामिल होना प्रतीत होता है एवं कार्यालय आदेश संख्या BRLPS/Project/463/B,Vol-II/4764 Dated: 05-03-2018 में जहां Goat PG सदस्य द्वारा स्वयं बकरी की खरीदारी करने की बात की जा रही है वहीं उपरोक्त परियोजना कर्मियों के द्वारा इस उद्देश्यों को अवहेलना की जा रही है। किसी खास बैंक के CSP में खाता खुलवाना एवं CSP से अंगूठा लगवाकर बकरी वाला रुपया निकाल लेना एवं इस निकासी की Goat PG सदस्यों को भनक तक नहीं चल पाना यह एक सोची समझी साजिस का हिस्सा हो सकती है।

इस जांच प्रतिवेदन के साथ CC फेकनी कुमारी, CC रंजना कुमारी, CC निशि कुमारी एवं कुमार सौरभ (YP Livestock) का लिखित बयान संलग्न है।

अनुलग्नक - 3

To,

The Director

Bihar Rural Livelihood Promotion Society

Subject: Regarding submission of revised enquiry report related to Dagarua block,Purnia.

Sir,

As directed, the committee (consisting of Mr. Sikendra Kumar, AFM , Mr. Satish Kumar, PM-CI & Mr. Rajeev Kumar, PM-CF) visited Purnia from 28th June to 30th June' 2022 again and a revised enquiry report is being submitted with this letter (regarding illegal withdrawal of SHG & VO fund for Goatery intervention in Dagarua block).

Along with our revised report, we are submitting written statements of Community Mobilisors, Book Keeper and staffs, who were placed there at the time of intervention in original copies. Apart from statements from above mentioned cadres and staffs, copies of some old reports by District team related to Mr. Sumit Kumar are also attached. We are also submitting soft copy of all reports, minutes, video statements of Cadres, recording of meeting with Cadres and community members, voice recording of interaction by BPM Sumit Kumar with Community Mobilisor Razina Begam and Vendor Hiralal Mandal in Pen drive as evidences.

Yours faithfully

Rajeev 04/7/22

Rajeev Kumar

PM-CF

(Member of enquiry committee related to Dagarua Block in Purnia District)

Enclosure:- Revised enquiry report with annexure (original statements of CM,BK & staffs & pen drive.

Annex- 1

Updated Enquiry Report by State Team during visit of Dagarua Block of Purnea District

As per direction of Director, BRLPS, the committee consisting of Mr. Sikendra Kumar (AFM), Mr. Rajeev Kumar (PM CF) and Mr. Satish kumar (PM-CI) again visited Purnea. This visit was for revisiting/ making update of reported alleged financial mismanagement of Rs. 46,57,000/- from 37 SHGs with conspiracy of then BPM Dagarua Mr. Sumit Kumar, related to Goatry intervention. The Team reached DPCU Purnia on 28th June'2022 and visited Dagarua Block again. Due to heavy rain, team visited DPCU Purnia and BPIU Dagarua only and took updates of recovery from related SHGs, where fund get withdrawn illegally from SHGs Bank Linkage fund and few Village Organizations (through transfer to SHGs). The State team also chalked out program for next day, i.e. 29th June'2022 for arrangement of meeting with community members.

On 29th June'22, The Committee visited Harkheli Panchayat at 10.00 AM and interacted with members of 4 SHGs (Sri Ram, Janki, Bajrangi & Maa Santoshi) where Community Mobilisors Uma Devi & Koshi Devi were looking after as Community Mobilisor. Book Keeper Mr. Arjun Rishi was also present there. The Team interacted with community members, community Mobilizors and Book Keeper about whole incident. The proceeding was minutised and also video recorded with the consent of Community members.

At 12.00 PM, committee visited Chandbhathi village of Harkheli Panchayat of Dagarua Block and interacted with 4 SHGs members (Pahla Kalima, Bismillah, Janta & Kalam) looking after by community Mobilisor Razina Begam, 4 SHGs members(Shama, Nargis, Rani & Yasmin) looking after by Community Mobilisor Daraksa Khatoon and with 2 SHG members(Khushiya & Sartaz) of Community Mobilizors Sumera Khatoon.

At 3.00 PM, committee visited Kochaili Dagarua village of Rampur Panchayat of Dagarua Block and interacted with 4 SHGs member (Ansh, Anshu, Anchal & Diya) looking after by Community Mobilsor Rubi Devi and 3 SHGs (Soni, Nidhi & Puja) looking after by Community Mobilisor Lakshmi Devi).

At 4.00 PM, committee visited same village of Rampur Panchayat of Dagarua Block and interacted with 3 SHGs member (Karuna, Soni, & Doli) looking after by Community Mobilzor Sadhna Devi.

After interaction with so many SHG members, different CMs and OB members, the committee comes to the conclusion again that then BPM Mr. Sumit Kumar has worked against integrity and values of the Project. Due to his doubtful behavior, Project stopped Goatrey intervention after phase 1 and 2 in Dagarua Block. However, in phase 4 when big target for Goat PG again came to Dagarua Block, he made supply of Goats to PG members with help of a vendor **Hiralal Mandal**. He selected primary areas for supply through vendors, where CCs (Ms. Ranajana kumari and Ms. Fekani Kumari) were not very active and could not oppose his plan. Mr. Sumit Kumar used to visit PGs/members after formal orientation of members by Livestock Manager, YP-LS and other staffs and convinced the members that they have not to buy Goats by

Satish Kumar
01/07/2022

01/07/22

01/7/22

member's own money but will be supplied by Mr. Hiralal Mandal. Mr. Hiralal Mandal was a vendor who was also involved in poultry related activities earlier, which was suspicious. It was convinced to members that after payment from PG, members will return money to Vendor as price for Goat. Didis got ready for it after orientation by then BPM Mr. Sumit Kumar. Committee has observation that the Policy has some issues and if members had been provided even 50% of money as advance, they would certainly procure Goats themselves, as per requirement.

Since BPM and Hiralal Mandal (Vendor) also didn't have sufficient amount for making supply of Goats to SHG/PG members, he approached a Community Mobilisor Ms. Razina Khatun, where no Goat intervention was scheduled. Ms. Razina Khatoon (Begam) was also in need of money and BPM convinced her that if she supports him (Mr. Sumit Kumar), he will provide some money to Razina khatun also for her own requirement. He demanded Rs. 10 Lakhs from her but their SHGs had not such money in their account. BPM assured her that Bank Linkage will be done of her 6 SHGs, so that she may withdraw amount from there. ***For this he specially mailed then UBGB Barsauni Branch Manager for Linkage of these 6 SHGs on 18th August'20, and withdrawal made by 20th August'20, which shows involvement of both BPM Sumit Kumar and Branch Manager,UBGB Barsauni.*** Ms. Razina Khatun also convinced some OB members of SHGs with whom she was working and withdraw approx 13,90,000/- (Thirteen Lakhs Ninety Thousands only) from 6 SHGs on 20.08.2020. Out of this Rs. 13.90 Lakhs, she paid Rs. 3.90 Lakhs to her mother, mother in law and herself as loan to SHG members and given Rs. 10 Lakhs to Hiralal Mandal on instruction of then BPM Mr. Sumit Kumar. Mr. Sumit Kumar assured Ms. Razina Khatun that he will return money in 6 days, once payment from Goat supply realized from members, after fund transfer from PG to members. We have received audio clips regarding Ms. Razina Khatoon(Begam) demand from BPM for money given to Hiralal Mandal, which clearly shows then BPMs involvement in this conspiracy.

After arranging Fund from Ms. Razina Khatun (Begam), both BPM and vendor started to supply Goats to members with the help of Community Mobilisors. After supply of Goats, BPM intimated LS Manager for verification of Goats in Goat Haat. Goat haats were arranged from 24th of August in different PGs. During Goat Haat, some Goats were got rejected in verification process by Livestock Team and members were told to procure another healthy Goats. Then community members started to tell that Goats has been supplied by project (Jeevika) itself then why Goats are being rejected. However verification process had been continuously carried on by the team.

In the meanwhile, may be due to pressure of Goat suppliers, BPM convinced other Community Mobilsors (where Goat intervention was scheduled and Goats were supplied by Vendor) to withdraw money from SHGs and make payment to Hiralal Mandal. As per consistent instruction from then BPM Sumit Kumar, other 8 CMs were also facilitated OB members of different SHGs to withdraw money and make payment to Hiralal Mandal (vendor) for payment of Goat supply.

Satishkumar
01/07/2022

01/07/22

01/7/22

Approx Rs. 32.67 Lakhs were withdrawn from 31 SHGs, which were either Bank Credit Linkage amount or VO general Loan amount which was paid (Rs. 29.35 Lakhs) to Hiralal and rest amount Rs.3.32 Lakhs were distributed to either member or CM. ***Here Committee observed that mostly OB members of SHGs were selected as beneficiaries (who are also signatories in SHGs), so that amount can be withdrawn easily.***

Manager LS Mr. Rajesh Kumar Singh complained DPM Purnia regarding involvement of Vendors on 21.09.2021 and a District Level Committee constituted for detailed Inquiry. District Level Inquiry Committee also found involvement of BPM in supply of Goat by Vendor and involvement of BPM in illegal withdrawal of money from SHGs.

On 30th June'2022, committee interacted with staffs who were posted in Dagarua at the time of intervention like Ms. Fekni Kumari, Ms. Ranjana Kumari, Ms. Nishi Kumari (all Community co-ordinator), Mr. Vikas Kumar Viyogi (then Area Coordinator) and Ms. Pramila Devi (Bank Mitra, UBGB Barsauni). All have given written/video statements that then BPM Mr. Sumit Kumar influenced Cadres to supply Goats through Vendor as well as withdraw money from Bank for unauthorized payment to Hiralal Mandal. All written statements have been attached as evidence for needful action.

Committee observes that due to peer pressure, one Community Mobiliser Ms. Razina Khatoon returned money of Rs.10 Lakhs to concerned 6 SHGs. Similarly some members, who were provided DBT (direct benefit transfer) from Goat PG have also returned money to different SHGs. Approx Rs. 10.17 was returned by other members, which were deposited in concerned SHG's Bank account, and the same is supported by statement of Community Mobilisors(attached). Approx Rs. 19.17 Lakhs amount is still not deposited out of Rs.39.35 Lakhs amount given to Hiralal Mandal, Vendor.

Since Committee took various evidence like meeting minutes, written statement of Community Mobilisors who were forced by BPM to withdraw money from Bank Linkage amount, Book Keeper and video recordings of meeting organized by the committee. All these evidences have been attached with report or kept in pen drive for further needful action. One Audio clip where Hiralal Mandal interacts with BPM Sumit Kumar regarding financial transaction also establishes the fact that they were involved in Goat supply jointly. This is also attached with report.

These all evidences have been attached as annexure "A", where details of individual Community Mobilizor's verbal statement, video clips etc. has been annexed. Apart from evidences collected by State level committee, evidences collected by District level enquiry committee have been also attached, as these are also conclusive evidence.

On the basis of our field visit, we have followings observation with respect to incident happened in Dagarua Block:-

1. Mr. Sumit Kumar, then BPM of Dagarua was completely involved in supply of Goats against guidelines of Goat intervention. He was also involved in illegal withdrawal of

Satish Kumar
01/07/2022

01/07/22

01/7/22

Bank Linkage amount and VO General Loan amount from 37 SHGs. He influenced his power as Block Project Manager and convinced related CMs to withdraw amount from SHGs and make payment to Hiralal Mandal, Vendor.

He is a habitual offender and was also involved in Poultry intervention related financial indiscipline in 2017-18. A state level committee consisting of **SPM-CF, SPM-LS, Procurement Officer and SFM-DDUGKY** also found (in September 2018) dereliction in conducting his duties as well as involvement in financial irregularity and recommended action against him, however no action has been taken against him. If action would have been taken against him just after previous state level inquiry, further Goatry related mismanagement could have been avoided.

2. Then Branch Manager of UBGB Barsauni (Mr.Nishant Kaushal) also seems to be involved in collusion with BPM in illegal withdrawal of amount from SHG Bank Linkage account. A petition from SHG members of Ganesh SHG given to CEO, BRLPS for illegal withdrawal of amount from Account. The committee visited that SHG (in November'2021) and also verified signature of OB members on withdrawal slip of Ganesh SHG before members and found only one signature is matched. It looks few members have not visited Branch and CM get signature on withdrawal slip by one of the member and get encashed without visit to Branch. It is also evident that one time Rs.3.50 Lakhs withdrawal has been made from Ganesh SHG, where there is no other case of such big disbursement in UBGB.
3. Community Coordinator Ms. Ranjana Kumari has been informed by community member during Goat haat that Goats have been supplied by Hiralal Mandal (Vendor) against guidelines but she didn't informed it to higher authorities like M-LS and DPM. However she admitted during District level committee visit that Goats have been supplied by Vendor with help of then BPM Sumit Kumar. However team did not get any feedback from community members that she was involved in making supply of Goats.
4. Community Coordinator Ms. Fekani Kumari admitted before State level team that approx 37 members out of 40 members in one PG were supplied Goats by the Vendor. However she has not admitted it at the time of District level inquiry and tried to make miscommunication before team. She has also not informed any of the senior people about BPM's act of making supply. DPM Purnia also called her after District Review committees visit to know exact case of supply but she denied altogether about the case.
5. Ms. Razina Khatun, Community Mobilisor, also admitted that she had provided Rs.10 Lakhs to Hiralal on instruction of BPM and distributed Rs. 3.90 Lakhs to her mother, mother in law and herself. However due to peer pressure of community members and local person, she has returned most of the money in the account of SHGs from her own sources. She also provided audio clips of interaction with BPM, Mr. Sumit Kumar, where he was consoling her that amount will be returned back soon.

Satish Kumar
01/07/2022

01/07/22

01/7/22

6. Other CMs like Uma Devi, Rubi Devi, Daraksa Pravin, Sumera, Koshi Devi, Sadhna, Lakhsmi Devi etc. have also admitted that they were worked on instruction of BPM and helped in making supply of Goats as well as withdrawal of Fund from SHGs and hand over it to Hiralal Mandal, vendor.
7. Mr. Rajesh Kumar Singh, M-Live Stock, Purnia was also aware about the previous track record of BPM Dagarua, Mr. Sumit Kumar, due to previous Poultry related financial mismanagement in same Block. He has tried to avoid 3rd phase Goatry intervention in Dagarua but after receiving a big target of 31 PGs in 4th phase, again 23 PGs were distributed in Dagarua Block. He should have more cautious while making implementation of Goat intervention. He has been informed by community members during Goat Haat (24-26 August'20), when Goats were rejected due to non compliance, that Goats have been supplied by Vendor/BPM but he has informed it on 21st September'20, almost one month after being informed. He was mentor of the Dagarua Block and visited regularly for Goat PG intervention but failed to identify and inform the issue well in time.
8. YP-Live Stock Mr. Kumar Saurabh also deputed in Dagarua for looking after Livestock intervention from June'20 to December'20 but he failed to identify such mismanagement at field level. When BPM was convincing members for supply of Goats, he was also present at field level, which shows his gross negligence towards his duties.
9. DPM Purnia was also aware of previous track record of BPM Dagarua, Mr. Sumit Kumar and avoided 3rd phase of Goatry intervention in that Block. However after receiving a big target of 31 PGs in 4th phase, again 23 PGs were distributed in Dagarua Block. He should be more cautious while making implementation of Goat PG in Dagarua Block and should have more visits to avoid the situation.

Based on above fact found by the State level committee, following recommendations are given:-

1. Mr. Sumit Kumar, then BPM Dagarua (presently on Leave without Pay) has continuously worked against Project guidelines and integrity. His services should be immediately terminated from the BRLPS. Project should file FIR against him for recovery of rest of money not realized.
2. Ms. Ranjana Kumari, CC, Dagarua, however not directly involved in supply of Goats but not informed higher authorities. Her one annual increment should be suspended and a warning letter should be given so that similar incident will not happen in her field again.
3. Ms. Fekni Kumari, CC, Dagarua, not only hides the facts before District level committee but also not informed the facts before higher authorities. She should have been given a warning letter to not repeat such behavior in future. Her Performance incentive for the FY 2020-21 should be confiscated and one annual increment should be suspended.

Satish Kumar
01/07/2022

01/07/22

01/7/22

4. Project should give a letter to Chairman UBGB for further inquiry from HO against then Branch Manager, UBGB Barsauni Branch. List of all 33 SHGs where amount has been withdrawn by CMs with help of BPM should be verified that due processes have been completed or not and amount disbursed according to due protocol or not. Even credit linkages in these 33 SHGs are done according to due protocol or not should be enquired into by UBGB and proper action should be taken.
5. All CMs /BKs of related SHGs/VOs should be replaced by another suitable members and Office Bearer should also be replaced. District and Block team should be given a timeline of 3 months to replace CMs and OBs.
6. Mr. Rajesh Kumar Singh, M-LS, Purnia should be asked a show cause for not informing DPM timely for involvement of Vendor in Goat supply. Being a Block Mentor, he failed in performing his duties.
7. Mr. Kumar Saurabh, YP-LS, should also be asked show cause for negligence in performing duty and failing in identification of issues timely. His one increment should be suspended and a warning letter should be issued.
8. Mr. Sunirmal Garain, DPM Purnia should also be given warning letter for selection of intervention and monitoring in more cautious way. He should also file FIR against Hiralal Mandal or facilitate it through SHG members and CMs.
9. Project should look into Policy of Goat PG and minimum 50% of amount should be transferred before verification process.

01/7/22
Rajeev Kumar

PM-CF

Date:- 01/07/2022

Satish Kumar 01/07/2022
Satish Kumar

PM-CI

01/07/22
Sikendra Kumar

AFM

Annx - 2

Details of evidences in soft copy in Dagarua Case

Sl. No.	INDEX Particulars	Ref. No.
1	All 37 SHG and 3 VO Bank statement	1
2	Video Statement of BK Arjun	2, 3
3	Video Statement of CC Ranjana	4
4	Audio of CM anjali & OB Raju	5
5	Video Statement of CM Darksa	6
6	Video Statement of CM Rajina	7, 8
7	Video Statement of CM Rubi and CM Laxmi	9
8	Video Statement of CM Sadhna	10, 11, 12
9	Video Statement of CM Uma	13, 14, 15
10	Audio of Heera Lal & BPM Sumit Kumar	16
11	Video Statement of Heera Lal	17
12	Minutes of Karuna SHG (CM-Sadhna)	18
13	Mail Copy from Sumit to UBGB Barsoni	19
14	Photo of SHG - CM Uma	20
15	Audio of CM Rajina & BPM Sumit Kumar	21, 22
16	Rubi CM SHGs minutes	23
17	Sadhna CM SHGs minutes	24
18	Video Statement of SHG Members -CM Daraksha	25, 26, 27, 46
19	Video Statement of SHG Members -CM Rajina	28, 29, 30, 31, 32
20	Video Statement of SHG Members -CM Rubi and CM Laxmi	33, 35
21	Video Statement of SHG Members -CM Rubi and CM Laxmi for FINO Bank	34
22	Video Statement of SHG Members -CM Sadhnaa	36, 37
23	Video Statement of SHG Members -CM Sumera	38, 39, 45
24	Video Statement of SHG Members -CM Uma	40, 41, 42, 43
25	Video Statement of SHG members of CM Daraksha Sumera Rajina for Acceptance recording	44
26	Loan disbursement & Recovery details	47
27	Uma CM SHGs minutes	48
28	Written Statement of Razina, CM with original Copy Page 122	49
29	Written Statement of Sumera, CM " " Page 26, 27	50
30	Written Statement of Daraksha, CM " " Page 35, 26, 37	51
31	Written Statement of Arjun Rishi, BK " " Page 53, 54	52
32	Written Statement of Sadhna, CM " " Page 79, 80, 81	53
33	Written Statement of Lakshmi, CM " " Page 93, 94	54
34	Written Statement of Rubi, CM " " Page 105, 106	55
35	Written Statement of Koshi, CM " " Page 134, 135	56
36	Written Statement of Ranjana Kumari, CC " " Page 153, 154	57
37	Written Statement of Fekni Kumari, CC " " Page 155	58
38	Written Statement of Nishi Kumari, CC " " Page 156	59
39	Written Statement of Vikas Kumar Viyogi, AC " " Page 157, 158	60
40	Written Statement of Kumar Saurabh, AC " " Page 159, 166	61
41	Video Statement of Bank Mitra-Pramila Devi	62
42	Old Videos by District Team	63
43	Other District Reports related to Sumit Kumar total 97 Pages	Hard Copy
44	written statement of Uma Devi, CM Page 65, 66, 67	

Satish kumar
01/07/2022

01/07/22

01/7/22

Goat Intervention के लिए अवैध रूप से UBGB बरसोनी से बैंक लिंकेज निकासी का विवरण

क्रम संख्या	समूह का नाम	पंचायत का नाम	सम्बंधित CM का नाम	समूह का ऋण खाता संख्या	निकासी का दिनांक	कुल निकासी	हीरा लाल को दी गयी राशि	समूह / CM के पास	वापसी (As on 28-06-2022)	शेष राशि	Remarks	Bank Statement Mark
1	गणेश SHG	हरखेली	रजिना बेगम	1080091330007093	8.20.2020	350,000	350,000	-	350,000	-		C 1
2	जय गुरु SHG			1080091330007062	8.20.2020	280,000	280,000	-	280,000	-		C 2
3	महिला कलिमा SHG			1080091330002418	8.20.2020	190,000	100,000	90,000	100,000	-		C 3
4	कलाम SHG			1080091330002265	8.20.2020	190,000	100,000	90,000	100,000	-		C 4
5	जनता SHG			1080091330002289	8.20.2020	190,000	70,000	120,000	70,000	-		C 5
6	बिस्मिल्लाह SHG			1080091330007017	8.20.2020	190,000	100,000	90,000	100,000	-		C 6
7	खुशिया SHG	हरखेली	सुमेरा खातुन	1080091330008618	8.31.2020	95,000	90,000	5,000	58,500	31,500		C 7
8	मसताज SHG			1080091330002362	8.29.2020	150,000	135,000	15,000	36,900	98,100		C 8
9	ममा SHG	हरखेली	रुक्सना प्रवीण	1080091330002548	8.31.2020	152,000	110,000	42,000	18,000	92,000		C 9
10	रानी SHG			1080091330002630	8.31.2020	150,000	110,000	40,000	24,000	86,000		C 10
11	नर्गिस SHG			1080091330002562	8.29.2020	140,000	130,000	10,000	48,500	81,500		C 11
12	यासमिन SHG			1080091330002616	10.27.2020	90,000	90,000	-	7,000	83,000		C 12
13	सखी SHG	हरखेली	कांशी देवी	1080091330008731	9.21.2020	95,000	95,000	-	31,000	64,000		C 13
14	अम्बे SHG			1080091330008724	9.21.2020	95,000	95,000	-	40,000	55,000		C 14
15	शिव SHG			1080091330008717	9.21.2020	95,000	95,000	-	29,000	66,000		C 15
16	जीवनसाथी SHG			1080091330002074	7.2.2020	150,000	150,000	-	68,000	82,000		C 16
17	महादेव SHG			1080091330002685	7.2.2020	150,000	150,000	-	64,700	85,300		C 17
18	श्री राम SHG	हरखेली	उमा देवी	1080091330008687	9.19.2020	95,000	95,000	-	58,500	36,500		C 18
19	बजरंगी SHG			1080091330008670	9.19.2020	95,000	95,000	-	66,650	28,350		C 19
20	जानकी SHG			1080091330008694	9.19.2020	95,000	95,000	-	95,000	-		C 20
21	कृष्णा SHG	रामपुर	साधना देवी	1080091330008700	9.19.2020	95,000	85,000	10,000	39,900	45,100		C 21
22	दुर्गा SHG			1080091330006621	9.30.2020	150,000	100,000	50,000	40,000	60,000		C 22
23	संजी SHG			1080091330006713	9.30.2020	150,000	100,000	50,000	49,000	51,000		C 23
24	मंजी SHG	रामपुर	लक्ष्मी देवी	1080091330008649	8.29.2020	95,000	95,000	-	28,400	66,600		C 24
25	निधि SHG			1080091330008632	8.29.2020	95,000	95,000	-	34,200	60,800		C 25
26	पूजा SHG			1080091330008625	8.29.2020	95,000	95,000	-	18,000	77,000		C 26
27	आंचल SHG	रामपुर	रूपी देवी	1080091330001486	9.4.2020	120,000	120,000	-	27,200	92,800		C 27
28	अंश SHG			1080091330007673	9.4.2020	80,000	80,000	-	23,000	57,000		C 28
29	आस्था SHG			1080091330002883	9.8.2020	100,000	80,000	20,000	31,000	49,000		C 29
30	दीप SHG			1080091330003583	9.4.2020	200,000	110,000	90,000	29,200	80,800		C 30
31	प्रिया SHG			1080091330008113	9.16.2020	80,000	80,000	-	31,000	49,000		C 31
32	राहुल SHG			1080091330003569	10.6.2020	100,000	100,000	-	10,000	90,000		C 32
33	अंशु SHG			1080091330006726	9.4.2020	120,000	120,000	-	10,500	109,500		C 33
34	अमर VO	हरखेली	अर्जुन ऋषि (BK)	1080091030014824	10.7.2020	50,000	50,000	SHG Ma santoshi	-	50,000	सामान्य ऋण की राशि बचत खाते से निकासी	C 34
35	दुर्गा VO			1080091030009479	12.30.2020	40,000	40,000	SHG GURU MAHADEO	-	40,000		C 35
36	बिस्मिल्लाह VO			1080091030015890	31-07-20, 27-10-20	50,000	50,000	SHG Yasmin, TARA	-	50,000		C 36
Total						4,657,000	3,935,000	722,000	2,017,150	1,917,850		

Satish kumar
01/07/2022

01/07/22

अनुलग्नक - 4

JEEViKA

An Initiative of Government of Bihar for Poverty Alleviation

Bihar Rural Livelihoods Promotion Society
State Rural Livelihoods Mission, Bihar

1st Floor, Vidyut Bhawan - II, Bailey Road, Patna- 800 021; Ph.:+91-612-250 4980; Fax:+91-612-250 4960, Website:www.brlp.in

Ref NO! - BRLPS/[illegible]-HR/1645/19/VOL-III/3316

Date - 16.09.22

कारण बताओ नोटिस

राज्य स्तरीय जाँच समिति की रिपोर्ट के अनुसार, गोट इंटरवेन्सन के तहत प्रोडयूसर ग्रुप बना कर पी0जी0 के मेंबर को बकरी की खरीदारी पी0जी0 पॉलीसी के तहत करनी थी और उसके बाद परियोजना से उन्हें अदायगी होनी थी लेकिन इस केस में श्री सुमित कुमार, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, डगरूआ, पूर्णियाँ द्वारा प्रोडयूसर ग्रुप के सदस्यों को यह बताया गया कि वे लोग किसी वेंडर विशेष के माध्यम से बकरी का खरीदारी करें तथा एक वेंडर हीरालाल मंडल जो पूर्व में भी पॉल्ट्री पी0जी0 को मुर्गी सप्लाई किया था, उसी वेंडर से बकरी का खरीदने को कहा गया।

तदोपरांत श्री सुमित कुमार, बी0पी0एम0 के द्वारा सी0एम0 रजिया खातून यह समझाने में सफल हुए कि हीरालाल मंडल को पैसे से मदद की जाये क्योंकि रजिया खातून को भी अपने जरूरत के लिए पैसे चाहिए थे। श्री सुमित कुमार द्वारा रजिया खातून से 10 लाख की मांग की गयी किन्तु उनके द्वारा देखे जा रहे समूह में उतना पैसा नहीं था। श्री सुमित कुमार, बी0पी0एम0 ने यह आश्वासन दिया कि रजिया खातून के द्वारा देखे जा रहे 6 समूह का बैंक लिंकेज कर दिया जाएगा। ताकि उन समूहो से पैसे की निकासी की जा सके। इसके लिए श्री सुमित कुमार द्वारा यू0बी0जी0बी, बरसौनी के ब्रांच मैनेजर को 18.08.2020 को बैंक लिंकेज के लिए मेल किया गया। तदनुसार 6 एस0एच0जी0 का बैंक लिंकेज हो गया और दिनांक – 20.08.2020 को यू0बी0जी0बी, बरसौनी से पैसे की निकासी कर ली गई । रजिया खातून के द्वारा कुछ एस0एच0जी0 के ओ0बी0 मेंबर्स को भी समझा बुझा कर तकरीबन 13.90 लाख रूपये की निकासी की गई। उसमें से रूपये 3,90,000/– रजिया खातून द्वारा अपने और एस0एच0जी0 मेंबर्स में बंदरबाट कर लिया गया। तथा 10 लाख रूपये हीरलाल मंडल को श्री सुमित कुमार, बी0पी0एम0 के कहने पर दे दिया। बी0पीएम ने रजिया खातून को यह आश्वस्त किया कि ये पैसा 6 दिनों के अंदर वापस कर दिया जाएगा। वेंडर के द्वारा बकरी सप्लाई होने के बाद पी0जी0 से मेंबर्स को पैसा चला जाएगा। इस तथ्य को साबित करने के लिए राज्य स्तरीय जॉच समिति द्वारा रजिया खातून और श्री सुमित कुमार, बी0पी0एम0 के बीच बातचीत को ऑडियो क्लिप भी मौजूद है।

पैसा मिलने के बाद श्री सुमित कुमारएवं वेंडर बकरी की सप्लाई सदस्यों को करने लगे। बकरी सप्लाई के बाद श्री सुमित कुमार के द्वारा मैनेजर लाइवस्टोक को बकरी हाट में बकरी का सत्यापन के लिए जानकारी दिया गया। बकरी हाट की व्यवस्था 24.08.2020 को अलग अलग पी0जी0 में किया गया। बकरी हाट में लाइवस्टोक टीम के द्वारा कुछ बकरी को रिजेक्ट किया गया और सदस्यों को कहा गया कि दूसरा बकरी खरीदें। इस बात पर मेंबर्स द्वारा कहा गया कि बकरी का सप्लाई जीविका से ही हुआ है ऐसी स्थिति में बकरी का रिजेक्शन क्यों हो रहा है।

उसी दौरान वेंडर के दवाब के कारण उस समय श्री सुमित कुमार सी0एम0 को एस0एच0जी0 से पैसा निकालने के लिए तैयार किये। बार बार उस समय श्री सुमित कुमार, बी0पी0एम0 के द्वारा 08 अन्य सी0एम0 की मदद से अलग अलग एस0एच0जी0 के ओ0बी0 मेंबर्स को भी एस0एच0जी0 से पैसा निकालने के लिए तैयार किया गया ताकि बकरी सप्लाई करने वाले वेंडर को और पैसा दिया जा सके। तत्पश्चात 31 समूहों से 32.67 लाख निकासी की गई जो कि बैंक केडिट लिंकेज और वी0ओ0 के जेनरल लोन को पैसा था, उसमें से 29.35 लाख वेंडर को दे दिया गया । बाकि 3.32 लाख सी0एम0 तथा समूहों के सदस्यों में बॉट दिया गया। समिति के द्वारा यह भी पाया गया कि बकरी इंटरवेंशन में चुने गये ज्यादातर लाभार्थी एस0एच0जी0 के ओ0बी0 मेंबर थे ताकि पैसे की निकासी आसानी से हो सके।

आनंद राज

Scanned with CamScanner

जिला के प्रमुख होने के नाते आप इंटरवेन्शन की प्रकिया का सफलतापूर्वक पर्यवेक्षण करने में असफल रहे। जिससे कि समुदाय को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा।

अतः आपको यह निर्देशित किया जाता है कि पत्र प्राप्ती के सात दिनों के अंदर अपना स्पष्टीकरण राज्य कार्यालय को प्रेषित करें। जवाब नहीं देने की स्थिति में यह समझा जाएगा कि आपको अपने बचाव में कुछ नहीं कहना है तथा परियोजना के नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

(आनंद शंकर)
राज्य परियोजना प्रबंधक – मा0सं0वि0

श्री सुनिर्मल ग्रेन, तत्कालीन जिला परियोजना प्रबंधक, जिला – पूर्णियाँ
डी0पी0सी0यू0 – भागलपुर

प्रतिलिपिः

1. निदेशक
2. एच0आर0मैनेजर – पूर्णियाँ / भागलपुर
3. संबंधित संचिकाएं

Scanned with CamScanner

रोवा मे

श्रीमान राज्य परियोजना प्रबंधक, मानव संसाधान विकास
राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई, जीविका,
पटना, बिहार

विषय : राज्य परियोजना प्रबंधक, मानव संसाधान विकास के पत्रांक संख्या BRLPS/ Esst-HR/1645/19 Vol-III/3316 दिनांक 16.09.2022 के आलोक में स्पस्टीकरण प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में |

प्रसंग : राज्य परियोजना प्रबंधक, मानव संसाधान विकास के पत्रांक संख्या BRLPS/ Esst-HR/1645/19 Vol-III/3316 दिनांक 16.09.2022 द्वारा प्रेषित कारण बताओ नोटिस (संलग्न) |

महोदय,

उपरोक्त विषयक एवम संदर्भित पत्रांक के सम्बन्ध मे आप का निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा :-

सर्वप्रथम दिनांक 26.08.2022 को प्रबंधक – पशुधन, पूर्णियाँ द्वारा मेल के माध्यम से यह सूचित किया गया कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान दिनांक 13.07.2022 को श्री विकास कुमार, खरीददारी प्रबंधक, श्री विकास कुमार वियोगी, क्षेत्रीय समन्वयक, डगरुआ एवं प्रबंधक पशुधन, पूर्णियाँ द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान यह प्रकाश में आया कि डगरुआ प्रखंड में बकरी उत्पादक समूह हेतु जीविका दीदियों द्वारा बकरी की खरीददारी नहीं कि जा रही है लेकिन तत्कालीन प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरुआ द्वारा दैनिक रिपोर्ट (whatsapp के माध्यम से) किया जा रहा था की सम्बंधित उत्पादक समूह में दीदियों द्वारा बकरी की खरीददारी की जा रही है | (मेल कॉपी संलग्न) | इसके आलोक में मेरे द्वारा तत्कालीन परियोजना प्रबंधक – डगरुआ को स्पष्टीकरण दिया गया था | (Show Cause Letter Attached) |

पुनः दिनांक 21.09.2020 को पशुधन प्रबंधक के द्वारा मेल के माध्यम से सूचित किया गया कि डगरुआ प्रखंड के अंतर्गत कुछ बकरी उत्पादक समूह में राज्य कार्यालय से निर्गत पत्रांक के आलोक में जीविका सदस्यों के द्वारा बकरी की खरीददारी नहीं की जा रही | चूँकि बकरी की खरीददारी सदस्यों के द्वारा नहीं करना राज्य कार्यालय से निर्गत कार्यालय आदेश का अवहेलना था इसलिए महोदय दिनांक 30.09.2020 को राज्य परियोजना प्रबंधक – पशुधन, को मेल के माध्यम से राशि का हस्तांतरण सभी 16 उत्पादक समूह के लाभार्थी को तत्काल प्रभाव से रोकने हेतु अनुरोध किया गया, जिससे कि जीविका परियोजना एवं समुदाय को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके | दिनांक 30.09.2020 को ही राज्य परियोजना प्रबंधक – पशुधन के मेल के माध्यम से निदेशित किया गया कि सभी 16 बकरी उत्पादक समूह के लाभार्थी को राशि का हस्तांतरण रोका जाता है एवं जिला स्तर पर जाँच कमिटी बनाकर जाँच की जाय | (मेल कॉपी संलग्न) | महोदय, राज्य परियोजना प्रबंधक – पशुधन के निर्देश पर तत्कालीन प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरुआ को राशि हस्तांतरण हेतु रोक के लिए पत्र निर्गत किया गया | (पत्रांक संलग्न) |

- राज्य कार्यालय के पत्रांक सख्या BRLPS/ Proj- LS/463/13/ Vol- III/ 3762 दिनांक 12.12.2019 के आधार पर जिला परियोजना समन्वयन ईकाई, पूर्णिया द्वारा फरवरी 2020 मे मेरे अध्यक्षता में दोनों प्रखंडो के प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक व पशुधन प्रबंधक की उपस्थिति में राज्य कार्यालय से प्राप्त निर्देश के आधार पर गोट इंटरवेंशन से सम्बंधित विस्तृत चर्चा की गई | इस चर्चा में उन्हें इस योजना अंतर्गत किस प्रकार से कार्यान्वित करना है - जैसे बकरी उत्पादक समूहो का गठन, बकरी की खरीददारी (नियमावली), बकरी का सत्यापन, मेडिकल जाँच, टैग, बकरी खरीद से सम्बंधित लाभुकों को उनके खाते मे भुगतान इत्यादि के बारे में बताया गया |
- अप्रैल से जून 2020 तक सभी बकरी उत्पादक समूहो को बनाना एवं सदस्यों का चयन सम्बन्धित प्रखंडो के प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वयक एवं सामुदायिक समन्वयक के सहयोग से संपन्न किया गया एवं बैंक मे खाता भी खुल चुका था और प्रखण्ड परियोजना प्रबंधको के मांग अनुसार जिला परियोजना समन्वयन ईकाई, पूर्णिया द्वारा उत्पादक समूहो के खाते मे राशि भी निर्गत की जा चुकी थी |
- वर्ष 2020 मे मई - जून महीना जब कि पूरा देश कोरोना जैसी महामारी से जुझ रहा था सभी कार्यालय भी सुचारु रूप से नियमित नही चल रहे थे उस अवस्था मे भी मेरे द्वारा virtual meeting और Conference Call के माध्यम से सभी परियोजना कर्मी से सम्पर्क बनाये रखा जिससे परियोजना को कोई नुकसान न हो एवं राज्य कार्यालय के द्वारा भी राज्य परियोजना प्रबंधक पशुधन द्वारा भी virtual meeting किया जाता रहा था |

महोदय पशुधन प्रबंधक जब दिनांक 26.08.2020 को प्राची एवं माही बकरी उत्पादक समूह में बकरी का सत्यापन करने हेतु सम्बंधित उत्पादक समूह में गए जिसमे कुछ बकरी राज्य कार्यालय से प्राप्त आदेश के मानक के अनुरूप नहीं पायी गयी जिसे उनके द्वारा स्वास्थ्य के आधार पर रिजेक्ट किया गया और दीदियों को मानक के अनुरूप बकरी खरीदने हेतु कहा गया था | उसी वक्त कुछ पुरुष (दीदियों के सम्बन्धी) द्वारा यह बताया गया कि बकरी जीविका द्वारा ही दिया गया है, इस पर उनके द्वारा दीदियों एवं उनके सम्बन्धियों को यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि राज्य कार्यालय के आदेशानुसार जीविका द्वारा बकरी की आपूर्ति नहीं किया जाता है, बकरी की खरीददारी स्थानीय स्तर पर गाँव के बकरी हाट से दीदियों द्वारा मानक के अनुरूप स्वयं करनी है | इसकी सुचना पशुधन प्रबंधक द्वारा मुझे दूरभाष के माध्यम से कार्यालय आने के बाद दिया गया | इसके आलोक में मेरे द्वारा तत्कालीन परियोजना प्रबंधक – डगरुआ को स्पष्टीकरण दिया गया था | (Show Cause Letter Attached) |

महाशय, जब बकरियों का टैगिंग करने हेतु प्राची एवं माहि बकरी उत्पादक समूह में पशुधन प्रबंधक पहुंचे तब उन्हें यह ज्ञात हुआ कि उनके द्वारा पूर्व यात्रा के दौरान जो बकरियां रिजेक्ट की गई थी उस मे से अधिकांश बकरीयाँ मर गयी है तथा

22/9/22

जाकर दीदियों ने यह बताया कि बकरी आप लोगों के द्वारा ही आपूर्ति किया गया है| पूर्ण विवरण जान लेने के बाद ही पशुधन प्रबंधक द्वारा लिखित रूप में मेल के माध्यम से मुझे सूचित किया गया | (मेल कॉपी संलग्न) |

महोदय आप का ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि मेरे द्वारा बकरी खरीददारी मे अनियमिता ज्ञात होने के तत्काल पश्चात इस को सर्वप्रथम राज्य परियोजना प्रबंधक – पशुधन को जानकारी दिया गया | इस सम्बंध मे पूर्व में ही बताया गया था कि सभी उत्पादक समूह की दीदियों को स्वयं बकरी की खरीददारी दीदियों को कैसे, किस प्रकार व कौन – कौन सी सावधानी रखते हुए खरीददारी करनी है | इस प्रकार दीदियों एवं परियोजना हित में मेरे द्वारा पूर्ण ईमानदारी व निष्ठापूर्वक कार्य किया तथा मेरे द्वारा कभी भी कार्य के प्रति कोई लापरवाही या शिथिलता नहीं बरती गई | महाशय, निदेशक जीविका एवं राज्य परियोजना प्रबंधक – पशुधन के निदेशानुसार जाँच प्रभावित नहीं हो इसलिए तत्कालीन प्रखंड परियोजना प्रबंधक - डगरुआ को जिला कार्यालय में प्रतिनियुक्त किया गया एवं राज्य कार्यालय के कार्यालय आदेशानुसार दिनांक 26.02.2021 को उनका स्थानांतरण गया जिला किया गया | राज्य परियोजना प्रबंधक- पशुधन द्वारा दिनांक 01.03.2021 को मेल के माध्यम से यह निर्देश प्राप्त हुआ कि सभी 16 बकरी उत्पादक समूह में जाँच के उपरांत लाभार्थी को राशि का हस्तांतरण किया जा सकता है | जिला कार्यालय के पशुधन प्रबंधक एवं अन्य द्वारा सभी बकरी उत्पादक समूह में क्षेत्र भ्रमण कर सभी योग्य जीविका दीदियों को बकरी खरीदने हेतु समझाया गया, एवं उनके द्वारा सही बकरी खरीदने के उपरांत सही लाभार्थी को राशि का भुगतान उत्पादक समूह के माध्यम से किया गया | (मेल कॉपी संलग्न) |

महाशय, जब बकरी उत्पादक समूह के लाभार्थी को राशि का हस्तांतरण राज्य परियोजना प्रबंधक – पशुधन के निर्देशानुसार रोक दिया गया था , तब तत्कालीन प्रखंड परियोजना प्रबंधक – डगरुआ द्वारा लिंकेज की राशि का दुरूपयोग करते हुए स्वयं एवं वेंडर विशेष को लाभ पहुँचाने का कार्य किया गया |

महोदय के पत्र मे यह दर्शाया गया है कि बकरी इंटरवेंशन मे अधिकतर लाभार्थी SHG के OB सदस्य थे जिससे पैसे की निकासी सुगमता पूर्वक हो सके :-

महोदय इस संदर्भ मे आप का ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि बकरी इंटरवेंशन मे बकरी उत्पादक समूहो का चयन एवं समूह के सदस्यों का चयन सम्बन्धित प्रखंडो के प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक, क्षेत्रीय समन्वयक एवं सामुदायिक समन्वयक के द्वारा संपन्न किया जाना था |

महोदय उपरोक्त तथ्यो पर सहानभूति पूर्वक विचार करते हुए श्रीमान से अनुरोध है की मेरे ऊपर जो सफलतापूर्वक अनुश्रवन नहीं करने का आरोप लगाया गया है उसे निरस्त करने की कृपा करें | मैंने पूर्ण ईमानदारी व निष्ठापूर्वक जिला परियोजना प्रबंधक के रूप मे कार्य किया तथा मेरे द्वारा कभी भी कार्य के प्रति कोई शिथिलता/ लापरवाही नहीं बरती गई |

इस हेतु मै श्रीमान का आभारी रहूँगा |

आपका विश्वासभाजन

22/9/22

अनुलग्नक- 45

बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम
जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी का कार्यालय,जिला:-पूर्णिया

परिवाद संख्या- 9999901110321217956

परिवाद की तिथि- 11/03/2021

WEB COPY

परिवादी का नाम-

परिवादी का पता-

जनशक्ति विकास पार्टी (डे.)

शहर/गाँव- शिवपुरी, डाकघर- L B S नगर, प्रखण्ड- पटना सदर, अनुमंडल- पटना सदर, जिला- पटना

लोक प्राधिकार-

जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका जिला - पूर्णिया

NOT OFFICIAL

28/06/2021

अंतिम विनिश्चय

परिवादी प्रदीप कुमार सिंह, अध्यक्ष-जनशक्ति विकास पार्टी(डे0) का परिवाद जीवीका परियोजना अंतर्गत पूर्णिया जिले के डगरूआ और पूर्णिया पूर्व प्रखंड में बकरी पालन कार्यक्रम में बकरी खरीदारी में अनियमितता बरते जाने, दवाई,चारा सहित अन्य सामग्रियों की खरीदारी में अनियमितता बरते जाने के संबंध में है। उक्त परिवाद के आलोक में इस कार्यालय द्वारा लोक प्राधिकार जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका पूर्णिया को नोटिस किया गया। नोटिस के आलोक में लोक प्राधिकार ने अपने कार्यालय पत्रांक 25 दिनांक 15.04.2021 के द्वारा यह प्रतिवेदित किया है कि बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति सह राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यालय आदेश संख्या BRLPS/Project/463/B, Vol-ii/4764 दिनांक 05.03.2018 के द्वारा बिहार सरकार के बहुमुखी समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना के अंतर्गत चयनित सदस्य को तीन पाठी खरीदना था, जिसका अनुमानित राशि संबंधित सदस्य को डी0बी0टी0 के माध्यम से उनके खाता में भेजा जाता है। महोदय, जीविका के राज्य कार्यालय से प्राप्त कार्यालय आदेश के अनुसार बकरी उत्पादन समूह का गठन कर राशि की मांग संबंधित प्रखंड परियोजना प्रबंधक के अनुशंसा पर जिला कार्यालय से की जाती है एवं बकरी उत्पादक समूह के द्वारा संबंधित सदस्य को तीन पाठी खरीदने पर एवं सभी बकरियों का ईयर टेगिंग करने के उपरांत डी0बी0टी0 के माध्यम से सदस्यों के खाते में राशि हस्तांतरण किया जाता है। महोदय, डगरूआ प्रखंड में बकरी उत्पादक समूह के द्वारा कुल 91,20,000/- राशि का मांग किया गया था, एवं जिला कार्यालय द्वारा संबंधित राशि का हस्तांतरण बकरी उत्पादक समूह में कर दिया गया है। जिसमे 33,48,000/- राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र संबंधित बकरी उत्पादक समूह द्वारा जमा किया गया जिसका समायोजन जिला कार्यालय द्वारा कर दिया गया है एवं शेष राशि का भी उपयोगिता प्रमाण पत्र बकरी उत्पादक समूह एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक के अनुशंसा के आधार पर जमा कर दिया जायेगा। उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा होने के बाद राशि का समायोजन कर लिया जायेगा। पूर्णिया पूर्व के बकरी उत्पादक समूह द्वारा 38,40,000/- की राशि का मांग जिला कार्यालय से कियां गया, एवं जिला कार्यालय द्वारा संबंधित राशि का हस्तांतरण बकरी उत्पादक समूह में कर दिया गया है। जिसमें 38,40,000/- राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा कर दिया गया है एवं राशि का समायोजन जिला कार्यालय द्वारा कर लिया गया है। अतः महोदय को यह बताना चाहता हू कि पूर्णिया जिले के अंतर्गत डगरूआ एवं पूर्णिया पूर्व प्रखंड में बकरी पालन एवं खरीददारी में किसी भी तरह की अनियमितता नहीं बरती गयी है एवं इसकी सुचना जिला कार्यालय को किसी सदस्य द्वारा नहीं दी गयी है। उक्त प्रतिवेदन के आलोक में दिनांक 11.06.2021 को परिवादी द्वारा एक प्रतिउत्तर इस कार्यालय को समर्पित किया गया जिसमें उनके द्वारा यह बतलाया गया कि लोक प्राधिकार की आरे से जो बातें रखी गई है वो सिर्फ कार्यक्रम के क्रियान्वयन में अपनाई गई प्रक्रिया का जिक्र है जबकि कार्यक्रम में हुई भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता का कोई जिक्र नहीं है। तद्आलोक में लोक प्राधिकार को उक्त के आलोक में अपना प्रतिवेदन समर्पित करने का निदेश दिया गया। पुनः लोक प्राधिकार ने कार्यालय पत्रांक 81 दिनांक 19.06.2021 के द्वारा प्रतिवेदित किया है कि बिहार सरकार के बहुमुखी समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जीविका के राज्य कार्यालय से कार्यालय आदेश निर्गत होते रहे है। राज्य कार्यालय के आदेश संख्या BRLPS/Proj-Livestock/1166/17/2155 दिनांक 09.08.2017 एवं BRLPS/Proj-Livestock/1166/17/2157 दिनांक

09.08.2017 के द्वारा संबंधित भेंडर को चेतावनी देते हुए यह निदेशित किया गया था कि समुदाय स्तर पर आपुर्तीत 47 बकरी जिसकी मृत्यु हो गयी थी, उसकी आपूर्ति पुनः संबंधित जीविका दीदियों को किया जाय, जिसका अनुपालन भेंडर द्वारा किया गया था। अतः महोदय को यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि किसी भी तरह का भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनियमितता नहीं हुई है एवं न ही समुदाय स्तर से इसकी कोई सुचना जिला कार्यालय को प्राप्त है। महोदय पूर्णिया जिले में राज्य का पहला GOAT HATT दिनांक 12.07.2017 को लगा था, जिसमें 600 बकरी का क्रय विभिन्न बकरी उत्पादक समूह द्वारा किया गया था, एवं भेंडर द्वारा पी0पी0आर0 भेक्सिनेशन कराया गया था एवं टीकाकरण के 21 दिन उपरांत दीदियों को बकरी उपलब्ध कराया गया। महोदय को यह बताना चाहता हूँ कि उपर्युक्त बकरी हाट में 600 बकरी का क्रय किया गया था जिसमें 47 बकरी का मृत्यु पी0पी0आर0 भेक्सिनेशन सही समय पर नहीं होने के कारण हो गया था, यह भेक्सिनेशन सिर्फ 7 दिन पहले लगा था, जिसकी पुष्टि भेंडर द्वारा मृत्यु पश्चात किया गया था एवं उपर उल्लिखित राज्य कार्यालय आदेश के अनुसार भेंडर द्वारा दिदियों को पुनः बकरी को आपूर्ति किया गया था। राज्य कार्यालय के आदेश संख्या BRLPS/Project /463/B.Vol-ii/4764 दिनांक 05.03.2018 के माध्यम से बकरियों का क्रय खुद दिदियों के द्वारा किया गया एवं उसका भुगतान डी0बी0टी0 माध्यम से संबंधित दिदियों को उत्पादक समूह के द्वारा किया गया। इसके लिए डा० सुधाकर ठाकुर, तत्कालीन पशुधन प्रबंधक को राज्य कार्यालय से स्पष्टीकरण भी पूछा गया था, एवं उनका स्थान्तरण तत्काल प्रभाव से जिला परियोजना समन्वयन इकाई, जीविका, गोपालगंज कर दिया गया था, एवं उनका वार्षिक मूल्यांकन 2017-18 भी रद्द कर दिया गया था। अतः लोक प्राधिकार के प्रतिवेदन से स्पष्ट है कि उनके स्तर से नियमानुसार समुचित कार्रवाई की जा रही है। उक्त आशय की सुचना परिवादी को देते हुए वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।

हस्ताक्षर

(जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी का कार्यालय,जिला:-पूर्णिया)

जीविका

(गरीबी निवारण हेतु बिहार सरकार की पहल)

बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बिहार

जिला परियोजना समन्वयन इकाई– पूर्णियाँ

[illegible] सुभाष नगर, पूर्णियाँ , पिन – 854301 , ई-मेल – purnea@brlp.in , [illegible]

पत्रांक –BRLPS/NRLM/DPCU/PURNEA/ 25 / 2021-22

दिनांक– 15/04/2021

प्रेषक,
जिला परियोजना प्रबंधक,
जीविका, पूर्णियाँ

सेवा में,
जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी
पूर्णियाँ

विषय: अनन्य संख्या – 99999011103212217956 दिनांक – 11.03.2021 के सम्बन्ध में

आपके कार्यालय से प्राप्त ज्ञापांक संख्या – 40911-17217 दिनांक 01.04.2021 द्वारा परिवाद संख्या 99999011103212217956 दिनांक – 11.03.2021 के आलोक में कहना है कि बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति सह राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के कार्यालय आदेश संख्या BRLPS/Project/463/B, Vol-II/4764 दिनांक 05.03.2018 के द्वारा बिहार सरकार के बहुमुखी समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना के अंतर्गत चयनित सदस्य को [illegible] पाठी खरीदना था, जिसका अनुमानित राशि सम्बंधित सदस्य को DBT के माध्यम से उनके खाता में भेजा जाता है

महोदय, जीविका के राज्य कार्यालय से प्राप्त कार्यालय आदेश के अनुसार बकरी उत्पादन समूह का गठन कर [illegible] मांग सम्बंधित प्रखंड परियोजना प्रबंधक के अनुशंसा पर जिला कार्यालय से की जाती है एवं बकरी उत्पादक समूह के द्वारा सम्बंधित सदस्य को तीन पाठी खरीदने पर एवं सभी बकरियों का Ear Tagging करने के उपरांत DBT के माध्यम से सदस्य के खाते में राशि का हस्तांतरण किया जाता है। महोदय, डगरूआ प्रखंड में बकरी उत्पादक समूह के द्वारा कुल 91,20,000/- राशि का मांग किया गया था, एवं जिला कार्यालय द्वारा सम्बंधित राशि का हस्तांतरण बकरी उत्पादक समूह में कर दिया गया है। जिसमे 33,48,000/- राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र सम्बंधित बकरी उत्पादक समूह द्वारा जमा किया गया जिसका समायोजन जिला कार्यालय द्वारा कर दिया गया है एवं शेष राशी का भी उपयोगिता प्रमाण पत्र बकरी उत्पादक समूह एवं प्रखंड परियोजना प्रबंधक के अनुशंसा के आधार पर जमा कर दिया जायेगा। उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा होने के बाद राशि का समायोजन कर लिया जायेगा। पूर्णियाँ पूर्व के बकरी उत्पादक समूह द्वारा 38,40,000/ की राशि का मांग जिला कार्यालय से किया गया एवं जिला कार्यालय द्वारा सम्बंधित राशि का हस्तांतरण बकरी उत्पादक समूह में कर दिया गया है। जिसमे 38,40,000/- राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा कर दिया गया है एवं राशि का समायोजन जिला कार्यालय द्वारा कर लिया गया है।

अतः महोदय को यह बताना चाहता हूँ कि पूर्णियाँ जिले के अंतर्गत डगरूआ एवं पूर्णियाँ पूर्व प्रखंड में बकरी [illegible] एवं खरीददारी में किसी भी तरह की अनियमितता नहीं बरती गयी है एवं इसकी सुचना जिला कार्यालय को किसी [illegible] नहीं दी गयी है

विश्वासभाजन

जिला परियोजना प्रबंधक
जीविका, पूर्णियाँ

[illegible] राज्य परियोजना प्रबंधन इकाई, पटना द्वारा प्राप्त कार्यालय आदेश की छाया प्रति।
[illegible] जिला कार्यालय द्वारा सम्बंधित प्रखंड एवं उत्पादक समूह को राशि के हस्तांतरण की विवरणी।

(गरीबी निवारण हेतु बिहार सरकार की पहल)
बिहार ग्रामीण जीविकोपार्जन प्रोत्साहन समिति
राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बिहार
जिला परियोजना समन्वयन इकाई–पूर्णियाँ

[illegible] purnea@brlp.in वेबसाइट www.brlp.in

पत्रांक :BRLPS/NRLM/DPCU/PURNEA/ 81 / 2021-22 दिनांक:- 19.06.2021

प्रेषक,
जिला परियोजना प्रबंधक
जीविका, पूर्णियाँ

सेवा में,
जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी
पूर्णियाँ

विषय : [illegible] संख्या - 999990111103212217956 दिनांक - 11.03.2021 के सम्बन्ध में

महाशय,

आपके कार्यालय से प्राप्त परिवाद संख्या - 999990111103212217956 दिनांक 11.03.2021 के आलोक में कहना है कि बिहार सरकार के बहुमुखी समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जीविका के राज्य कार्यालय से कार्यालय आदेश निर्गत होते रहे है | राज्य कार्यालय के आदेश संख्या - BRLPS/Proj-Livestock/1166/17/2155 दिनांक 09.08.2017 एवं BRLPS/Proj-Livestock/1166/17/2157 दिनांक 09.08.2017 के [illegible] भेंडर को चेतावनी देते हुए यह निर्देशित किया गया था कि समुदाय स्तर पर आपूर्तित 47 बकरी जिसकी मृत्यु [illegible] उनकी आपूर्ति पुन: सम्बंधित जीविका दीदियों को किया जाय, जिसका अनुपालन भेंडर द्वारा किया गया था | अत: महाशय [illegible] यह स्पष्ट करना चाहूँगा कि किसी भी तरह का भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनियमितता नहीं हुई है एवं न ही समुदाय स्तर से इसकी कोई सुचना जिला कार्यालय को प्राप्त है |

महोदय, पूर्णियाँ जिले में राज्य का पहला GOAT HAAT दिनांक 12.07.2017 को लगा था, जिसमे 600 बकरी का क्रय विभिन्न बकरी उत्पादक समूह द्वारा किया गया था, एवं भेंडर द्वारा PPR Vaccination कराया गया था एवं टीकाकरण के [illegible] दिन उपरान्त दीदियों को बकरी उपलब्ध कराया गया |

[illegible] को यह बताना चाहता हूँ कि उपर्युक्त बकरी हाट में 600 बकरी का क्रय किया गया था जिसमे 47 बकरी की मृत्यु PPR Vaccination सही समय पर नहीं होने के कारण हो गया था, यह Vaccination सिर्फ 7 दिन पहले लगा था, जिसकी पुष्टि भेंडर द्वारा मृत्यु पश्चात् किया गया था एवं उपर उल्लिखित राज्य कार्यालय आदेश के अनुसार भेंडर द्वारा दीदियों को पुन: बकरी की आपूर्ति किया गया था |

[illegible] कार्यालय के आदेश संख्या BRLPS/PROJECT/463/B.VOL-II/4764 दिनांक 05.03.2018 के माध्यम से [illegible] क्रय खुद दीदियों के द्वारा किया गया एवं उसका भुगतान DBT माध्यम से सम्बंधित दीदियों को उत्पादक समूह [illegible]

[illegible] के लिए डॉ सुभाष ठाकुर, तत्कालीन पशुधन प्रबंधक को राज्य कार्यालय से स्पष्टीकरण भी पूछा गया था, एवं [illegible] तत्काल प्रभाव से जिला परियोजना समन्वयन इकाई, जीविका, गोपालगंज कर दिया गया था, एवं उनका [illegible] मूल्यांकन 2017-18 भी रद्द कर दिया गया था |

अत: महोदय को यह बताना चाहता हूँ कि पूर्णियाँ जिले के अंतर्गत डगरूआ एवं पूर्णियाँ पूर्व प्रखंड में बकरी पालन [illegible] में किसी भी तरह की अनियमितता नहीं बरती गयी है |

विश्वासभाजन
(हस्ताक्षर) 19/6/21
जिला परियोजना प्रबंधक
जिला परियोजना समन्वयन इकाई
पूर्णियाँ

BRLPS-DPCU-PURNEA

अनुलग्नक : [illegible] परियोजना प्रबंधन इकाई, पटना [illegible] कार्यालय आदेश की छाया प्रति आपके अवलोकनार्थ |